ई.एच.आई.–06

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–06

पाठ्यक्रम शीर्षक : चीन और जापान का इतिहास (1840–1949)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2015–2016

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–06

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2015 सत्र के लिए	31 मार्च 2016	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2016 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2016	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–06
चीन और जापान का इतिहास (1840–1949)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–06
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–06
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2015–2016
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।
भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अफीम युद्धों के कारणों तथा परिणाम की विवेचना कीजिए। 20

अथवा

तोकुगावा बाकूफू से मीजी पुर्नस्थापना की ओर संक्रमण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

2. बॉक्सर विद्रोह के स्वरूप का परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

जापान में केन्द्रीय अफसरशाही राज्य तथा संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. चीन में 1911 की क्रांति का स्वरूप तथा महत्व क्या था? 12

अथवा

1904 में रूस–जापान युद्ध के कारणों तथा महत्व का विश्लेषण कीजिए।

4. जापान में 1930 में सैन्यवाद के उद्भव पर टिप्पणी लिखिए। 12

अथवा

चीन में व्यक्तिगत सेना के अध्यक्षों (war lordism) के उद्भव के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए।

5. चीन में राष्ट्रवाद के उद्भव को उत्तर क्रांतिकारी काल (1911 के पश्चात्) के विशेष संदर्भ में रेखांकित कीजिए। 12

अथवा

उन्नीसवीं तथा बीसवीं शताब्दियों में जापान की विस्तारवादी तथा साम्राज्यवादी नीति, विशेषकर इसे मजबूती देने वाली विचार धाराओं पर प्रकाश डालते हुए निबंध लिखिए।

6. चीन की साम्यवादी पार्टी द्वारा कृषक आंदोलन को नेतृत्व देने के लिए अपनाए गए तरीकों विशेष रूप से क्यांगसी सोवियत गणतंत्र का वर्णन कीजिए। 12

अथवा

चीन में नए सांस्कृतिक आंदोलन (1911–1919) पर टिप्पणी लिखिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** 6+6

क) कनफ्यूशस वाद
ख) स्वयं सशक्तिकरण (सेल्फ स्ट्रेन्थनिंग) आंदोलन
ग) चीन–जापान युद्ध 1894
घ) कू–मिन–तांग